स्तुति

हे परमेश्वर मैं तेरा हूँ। तेरी शरण में हूँ। तुझे नमस्कार करता हूँ और तेरी ही सहायता चाहता हूँ। मेरे विभु मुझे अंतर्यामी रूप से प्रेरणा करो कि मैं तेरी इच्छा के विरुद्ध एक पग चलने का भी साहस न करूँ। मैं यही कहता रहूँ कि मेरी इच्छा कुछ नहीं तेरी इच्छा पूर्ण है। तेरे नाम के साथ कहता हूँ कि तू मेरे बाहर के पट बंद करके अंदर के पट खोल दे।

बोलो प्रेम से सच्चिदानंद सनातन ब्रह्म की जय।